सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 121 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 7 जून, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

सफल लोग हमेशा दूसरों की मदद करने के अवसर खोजते रहते हैं। असफल लोग हमेशा पूछते रहते हैं कि इसमें मेरे लिए क्या है?

-ब्रायन ट्रेसी

सबालेंका व मुचोवा सेमीफाइनल... 7 | बंगाल में गरमाई सियासत, ममता... 3 | जम्मू-कश्मीर में भाजपा ने लगा... 2

पहलवानों को मनाने में जुटे खेलमंत्री

सरकार के बुलावे पर अनुराग ठाकुर के घर पहुंचे बजरंग और साक्षी

» बैठक में मुद्दों पर चर्चा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को बातचीत का न्योता दिया था। सरकार के बुलावे के बाद ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, पहलवान साक्षी मलिक केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के आवास पहुंचे हैं।

दोनों पहलवान बुधवार सुबह उनके घर पहुंचे। बता दें कि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने देर रात एक ट्वीट किया था। अनुराग ने ट्वीट कर कहा,कि सरकार पहलवानों से उनके मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। मैंने एक बार फिर पहलवानों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है।

सोच समझकर लेंगे फैसला : साक्षी

इससे पहले, पहलवान साक्षी मलिक ने अनुराग ठाकुर के निमंत्रण पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। साक्षी साक्षी मलिक ने कहा कि सरकार की तरफ से मिले प्रस्ताव पर हम अपने वरिष्ठों और समर्थकों से चर्चा करेंगे। जब सभी अपनी सहमति देंगे कि प्रस्ताव ठीक है, तभी हम सहमत होंगे। ऐसा नहीं होगा कि हम सरकार की किसी भी बात से सहमत होकर अपना आंदोलन समाप्त कर देंगे। बैठक के लिए अभी कोई समय तय नहीं है। साक्षी ने कहा कि बृजभूषण की गिरफ्तारी हमारी मुख्य मांग है। अभी हम प्रदर्शन खत्म नहीं कर रहे हैं।

शाह से मुलाकात के बाद खुली राह

इसके पहले 3 जून को आंदोलन कर रहे पहलवानों की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात को सरकार की तरफ से पहलवानों के मामले में डेडलॉक तोड़ने की कोशिश के तौर पर देखा गया था। गृह मंत्री से मुलाकात के दो दिन बाद 5 जून को पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया अपनी नौकरी से जुड़े काम के लिए रेलवे के ऑफिस पहुंचे।

बृजभूषण को बचाया जा रहा : राकेश टिकैत

उधर, किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि बातचीत से हल संभव है। भाजपा सांसद बृजभूषण की गिरफ्तारी होनी चाहिए। बृजभूषण को बचाया जा रहा है। राकेश टिकैत ने मंगलवार को कहा था कि किसान संगठनों ने पहलवानों के आंदोलन से समर्थन वापस नहीं लिया है। नौ जून को होने वाले आंदोलन को टाला है, अब खिलाड़ियों के कहने पर आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

केंद्र के खिलाफ आप-सपा की मोर्चाबंदी

» अखिलेश यादव से मिलेंगे केजरीवाल

» आज दोपहर लखनऊ पहुंचेंगे

» अध्यादेश के खिलाफ है सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केजरीवाल ने बुधवार को लखनऊ आकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। ज्ञात हो कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग के अधिकार से संबंधित केंद्र सरकार के बिल को राज्यसभा में नामंजूर कराने की कवायद में जुटे हैं। इसके लिए केजरीवाल गैर भाजपा दल के नेताओं से मिलकर उनसे समर्थन मांग रहे हैं।

इसी कड़ी में केजरीवाल बुधवार को लखनऊ आकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात किया। उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, यूपी के प्रभारी सांसद संजय सिंह, दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी मार्लेना सिंह और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा भी थे ।

समाजवादी पार्टी अध्यादेश के खिलाफ है। ऐसे में वह इस मुद्दे पर खुलकर आम आदमी पार्टी का साथ देगी। केजरीवाल से मुलाकात के बाद सपा अध्यक्ष इस मुद्दे पर साथ देने की अधिकृत घोषणा कर सकते हैं। अखिलेश इस मामले में पहले भी आपत्ति जता चुके हैं। उन्होंने ट्वीट करके अध्यादेश को न्यायपालिका का अपमान बताया था। इसलिए माना जा रहा है कि इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष केजरीवाल के मुहिम में साथ दे सकते हैं।

फाइल फोटो

लोकसभा चुनाव पर भी मंथन

सपा सूत्रों का कहना है कि आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल के साथ उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह भी मौजूद रहेंगे। ऐसे में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भी बातचीत हो सकती है। क्योंकि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद विपक्षी एकता की कोशिश में जुटे हुए हैं। हालांकि पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी का कहना है कि अभी सिर्फ मुलाकात तय हुई है। अध्यादेश के अलावा किन-किन मुद्दे पर बातचीत होगी, यह तो उसी वक्त पता चलेगा।

मणिपुर में दर्दनाक हिंसा जारी, तीन जिंदा जले

» एंबुलेंस में मां के साथ था मासूम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में हिंसा दिन-ब-दिन और खतरनाक रूप लेती जा रही है। इस बीच, राज्य के पश्चिम इंफाल जिले से रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। दंगाइयों ने तीन मासूम लोगों की जान ले ली। दरअसल, करीब आठ वर्षीय घायल बच्चे को अस्पताल ले जाते समय एक एंबुलेंस में भीड़ ने आग लगा दी। इससे बच्चे, उसकी मां और एक अन्य रिश्तेदार की मौत हो गई।

मासूम को लगी थी गोली

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान मासूम बच्चे को सिर में गोली लग गई थी। उसका इलाज कराने के लिए उसकी मां और एक अन्य रिश्तेदार एंबुलेंस से इंफाल के अस्पताल ले जा रहे थे। तभी भीड़ ने अचानक सामने आकर एंबुलेंस को रुकवा दिया और उसमें आग लगा दी। इससे तीनों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया की भीड़ ने जिन लोगों को आग की भेंट चढ़ा दिया। उनकी पहचान आठ वर्षीय तोसिंग हैंगिंग, उसकी 45 वर्षीय मां लीना हैंगिंग और 37 वर्षीय लिडिया लोरेम्बम के रूप में हुई है। असम राइफल्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। साथ ही बताया कि घटनास्थल और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

जनता अब बहकावे में नहीं आएगी : कमलनाथ

» बोले- जिसे जनता स्वीकार करेगी, वही कांग्रेस का होगा मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कमलनाथ ने कहा कि भाजपा और शिवराज सिंह चौहान जनता को कितना भी गुमराह करने का प्रयास करें, प्रदेश की जनता अब इनके बहकावे में आने वाली नहीं है। अभी हाल ही में महाकाल लोक में घोटाला हुआ। सप्तर्षियों की मूर्तियां किस प्रकार हवा के झोंके से गिर गईं, कोई भूकंप नहीं आया कोई टक्कर नहीं लगी सिर्फ तेज हवा चलने मात्र से मूर्तियां गिर गईं।

कई मूर्तियों में दरारें आ चुकी है। नंदी द्वार का कलश टूट कर गिर गया। भारतीय जनता पार्टी ने भ्रष्टाचार करने में महाकाल से भी परहेज नहीं किया। कांग्रेस के मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कमलनाथ ने कहा कि हमारे नेताओं ने जो भी बातें कही हैं, वह आपने भी सुनी हैं और मैंने भी सुनी हैं।

इसमें कोई बेचैनी वाली बात नहीं। अंत में वही चेहरा होगा जिसे जनता स्वीकार करेगी। मैं मई मैं प्रदेश अध्यक्ष बना था। नवंबर में चुनाव थे, मध्यप्रदेश में काफी लोग मुझे पहचानते नहीं थे। मेरी कार्यशैली से वाकिफ नहीं थे, परंतु आज ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का हर वर्ग कमलनाथ को और कमलनाथ की कार्यशैली को जानता और पहचानता है।

2016 के गोलीकांड के दोषियों को बचा रही शिवराज सरकार

पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ कमलनाथ बुधवार को मंदसौर के पिपलिया मंडी में मप्र के सीएम शिवराज पर 2016 के गोलीकांड में मारे गए किसानों के दोषियों को बचाने को आरोप लगाया। वहीं, उन्होंने कांग्रेस के सीएम प्रत्याशी को लेकर साफ कहा कि जनता जिसे चाहेगी, वही होगा कांग्रेस का मुख्यमंत्री होगा। कमलनाथ ने मंदसौर में मीडिया से बातचीत करते हुए शिवराज सरकार पर मंदसौर गोलीकांड के दोषियों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन 2016 में मंदसौर की पिपलिया मंडी में शिवराज सरकार की गोलियों से छह किसान शहीद हो गए थे। शिवराज सरकार ने आज तक इस गोलीकांड की जांच रिपोर्ट विधानसभा के पटल पर नहीं रखी। इससे साफ है कि शिवराज सरकार दोषियों को बचा रही है। ऐसी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकना हम सबकी जिम्मेदारी है। कमलनाथ ने कहा कि जिस दिन हमारे मंदसौर में गोली कांड हुआ था, किसान क्या मांग रहे थे? न्याय मांग रहे थे। फसलों का सही मूल्य मांग रहे थे और मिला क्या? पुलिस की गोलियां।

महाकाल लोक में मूर्तियां गिरने पर कांग्रेस के वीडियो पर बवाल

उज्जैन। उज्जैन के महाकाल लोक में मूर्तियां गिरने से जड़े एक वीडियो ने साधु-संतों को नाराज कर दिया है। इस वीडियो में भगवान शिव और नारद मुनि के कैरेक्टर के बीच महाकाल लोक में मूर्तियां गिरने के मामले में बातचीत दिखाई गई है। इसके अंत में शिव यह कहते दिख रहे हैं कि अब कमलनाथ को लाना ही होगा। 46 सेकेंड के इस वीडियो पर संत समाज ने कहा है कि कांग्रेस को धर्म का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

साधु-संत नाराज, कहा-हम कोर्ट जाएंगे

परमहंस अवधेश पुरी ने कहा, भगवान शिव और नारद मुनि का इस तरह दुरुपयोग करना सनातन धर्म और संस्कृति के खिलाफ है। कांग्रेस को ऐसी नौटंकी कर धर्म का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। यह हम सहन नहीं करेंगे। यह नहीं रुका, तो हम कोर्ट तक जाएंगे। रही बात भ्रष्टाचार की, तो इसकी जांच चल ही रही है। वहीं, महामंडलेश्वर शैलेशानंद ने कहा, राजनीति में गिरती हुई भाषा का प्रयोग हम देख रहे हैं। हमारे आराध्य देवों को भी राजनीति में खींचा जा रहा है, ये उचित नहीं है। इस प्रकार के कृत्य से दूर रहना चाहिए।

कांग्रेस पर कोई भरोसा नहीं करेगा : पारस

पूर्व मंत्री और विधायक पारस जैन ने कहा कि वीडियो में मैंने भी देखा है। कांग्रेस की मति मारी गई है। भगवान शिव का नाम लेकर कह रहे हैं कि कांग्रेस को, कमलनाथ को लाना पड़ेगा। इस तरह के वीडियो से न तो जनता गुमराह होगी और न ही कांग्रेस पर कोई भरोसा करेगा। मैं समझता हूं कि महाकाल का नाम लेकर इस तरह का प्रचार नहीं करना चाहिए।

भारत के खिलाफ एजेंडे वाले लोगों के हाथों में है बीबीसी: पुरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को देश में बीबीसी कार्यालयों पर आयकर विभाग के छापे के बाद प्रेस की स्वतंत्रता के बीबीसी के आरोप पर तंज कसते हुए कहा किब्रिटिश ब्रॉडकास्टर भारत के खिलाफ एजेंडे वाले लोगों के हाथ में है।

पुरी ने कहा कि हमारे कानून बहुत पारदर्शी हैं। अगर कोई टैक्स नहीं दे रहा है और हम उसे नोटिस भेजते हैं, तो वे कहते हैं, यह प्रेस की स्वतंत्रता का मुद्दा है। मैं विस्तार में नहीं जाना चाहूंगा लेकिन अतीत में उनके कुछ कार्यों से ऐसा लगता है कि वे भारत पर एक एजेंडा वाले लोगों के हाथों में थे। पुरी मंगलवार को जम्मू में जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं की बैठक में शामिल हुए थे।

ब्रॉडकास्टर भारतीय एजेंसियों के रडार पर तब आया जब उसने एक विवादित डॉक्यूमेंट्री, इंडिया: द मोदी क्वेश्चन प्रकाशित की, जिसने भारत सरकार की तीखी आलोचना की और देश की छवि को धूमिल किया। सरकार ने जनवरी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को यूट्यूब वीडियो और ट्विटर पोस्ट को डॉक्यूमेंट्री के लिंक साझा करने के तुरंत बाद ब्लॉक करने का निर्देश दिया था।

केंद्र के खिलाफ उठाएंगे आवाज : आप

» 11 जून को रामलीला मैदान में करेंगे महारैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार के तानाशाही रवैया के खिलाफ दिल्ली में आम आदमी पार्टी महारैली करने जा रही है। 11 जून रविवार को राम लीला मैदान में महारैली का आयोजन होगा। उससे पहले आप पार्टी इस महारैली में दिल्ली के लोगों को आमंत्रण देने और केंद्र सरकार के काले अध्यादेश के बारे में बताने के लिए डोर टू डोर कैंपेन चलाएगी।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय छह जून को 19 राज निवास मार्ग, सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सामने सिविल लाइन में डोर टू डोर कैंपेन में शामिल हुए थे। दिल्ली के लोगों को इस महारैली का आमंत्रण देने के लिये तथा केन्द्र के काले अध्यादेश के बारे में बताने के लिये अभियान कर रही है।

डोर टू डोर कैंपेन शुरू

सत्येंद्र को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को स्वस्थ होने पर अपोलो अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। तिहाड़ जेल प्रशासन ने अस्पताल में ही उनकी कागजी कार्रवाई की। इसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन दिल्ली की तिहाड़ जेल में काफी समय से बंद थे। इसी दौरान जेल के शौचालय में गिरने के बाद उन्हें दीनदयाल अस्पताल में लाया गया था। वहां स्थिति खराब होने के बाद लोक नायक अस्पताल में भर्ती किया गया। यहां से उन्हें अपोलो अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। यहां पर उपचार के दौरान उनके हालत में सुधार के बाद रविवार देर रात छुट्टी दे दी गई है। सूत्रों की माने तो अभी उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

सिसोदिया की पत्नी की सेहत में सुधार

दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में भर्ती दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पत्नी की हालत पहले से बेहतर है। फिलहाल वह जीबी पंत अस्पताल के डॉक्टर की निगरानी में हैं। उनका न्यूरोलॉजी विभाग में उपचार चल रहा है।

2024 में जातीय जनगणना होगी एक बड़ा मुद्दा : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। मंगलवार को उन्होंने लखीमपुर खीरी से धौरहरा के लिए रथयात्रा निकाली जिसका नाम लोक जागरण यात्रा दिया गया है।

उन्होंने रास्ते में विभिन्न स्थानों पर मूर्ति अनावरण समारोह में भाग लिया। वह रथ यात्रा के जरिए गोला गोकरण नाथ में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंच रहे हैं। अखिलेश यादव पहले भी जातीय जनगणना की मांग करते रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जातीय जनगणना करवाकर इसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाने चाहिए। कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 में जातीय जनगणना एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

जम्मू-कश्मीर में भाजपा ने लगा रखा है आपातकाल : वकार रसूल

» कांग्रेस ने खोला मोर्चा, अब राज्य में चुनाव होने चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वकार रसूल वानी ने भाजपा पर राज्य में आपात काल लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर में 2019 के बाद विधानसभा चुनाव न करवा कर आपातकाल घोषित कर रखा है।। श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह में वानी ने कहा कि इस साल नवंबर में बिना चुनाव के नौ साल पूरे हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अगर अन्य राज्यों में हर पांच साल बाद चुनाव में वोट देने का अधिकार है, तो यहां भी मिलना चाहिए। निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर में चुनाव होने चाहिए। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर सहित देश के अन्य हिस्सों में निकाय चुनावों की तैयारी कर रही है। वानी ने कहा कि कांग्रेस पीएजीडी का हिस्सा नहीं है। हमने केवल फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के साथ मंच साझा किया है। अब, हम आम मुद्दों पर एक साथ खड़े हैं। हालांकि, कांग्रेस का घोषणापत्र एनसी और पीडीपी से पूरी तरह अलग है, इसलिए सहयोग नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमारा घोषणापत्र राष्ट्रीय स्तर पर तैयार किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी उन दलों को साथ लेना चाहती है, जो स्वभाव से धर्मनिरपेक्ष हैं और लोगों के लिए काम करना चाहते हैं।

विफल हो गई भाजपा सरकार

वानी ने ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे को लेकर भी भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि 275 लोगों की मौत हो गई और लगभग 1,200 अन्य घायल हुए हैं। भाजपा सरकार विफल हो गई है और उसकी व्यवस्था काम नहीं कर रही है। वह अपनी दुर्घटनाओं के लिए नेहरू को जिम्मेदार ठहराती है।

बंगाल में गरमाई सियासत, ममता का भाजपा पर हमला

कांग्रेस ने सीबीआई जांच पर उठाया सवाल

» रेल हादसे पर मोदी सरकार को घेरा

» ममता ओडिशा में घायलों से मिलीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओडिशा के बालासोर में हुए रेल हादसे की सीबीआई जांच और अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा को यूएई जाने से रोकने का मामला तूल पकड़ रहा है। जहां बंगाल बीजेपी ने रेल हादसें पर सीबीआई जांच से ममता बनर्जी पर घबराने का आरोप लगाया है वहीं ममता बनर्जी ने भतीजे की पत्नी को रोके जाने के मुद्दे पर कहा कि भाजपा केवल परेशान कर रही है । उधर कांग्रेस भी सीबीआई जांच पर सवाल उठाए हैं।

रेल मंत्रालय ने बालासोर हादसे की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। इस हादसे को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। जिसके बाद अब जांच रिपोर्ट का इंतजार है। सीबीआई की टीम ने घटनास्थल का मुआयना भी किया है। जिसे लेकर अब विपक्ष ने केंद्र सरकार पर तंज कसा है। वहीं पूर्वी-मध्य रेलवे के डिविजनल रेलवे मैनेजर रिंकेश रॉय ने बताया कि बालासोर हादसे में करीब 1100 लोग घायल हुए थे। इनमें से 900 लोगों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। लेकिन अब भी करीब 200 लोग ओडिशा के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज जारी है। रॉय का कहना है कि 275 मृतकों में अब भी 101 लाशें ऐसी हैं, जिनकी अबतक पहचान नहीं हो सकी है।

राज्य सचिवालय से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि ममता बनर्जी राज्य के मंत्रियों चंद्रिमा भट्टाचार्य तथा शशि पांजा के साथ भुवनेश्वर से लौटते समय पश्चिम मेदिनीपुर जिले में मिदनापुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में घायलों से मिली हैं। मरीजों से मिलने के अलावा बनर्जी मरीजों को मिल रही सुविधाओं को भी देखा। अधिकारी ने बताया कि कम से कम 206 घायलों का इलाज ओड़िशा के विभिन्न अस्पतालों में जारी है,अधिकतर लोग कटक और भुवनेश्वर के अस्पतालों में भर्ती हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में कई मुर्दाघरों में अज्ञात शव भी रखे गए हैं। मिदनापुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में अभी 60 घायलों का इलाज जारी है। बनर्जी ने सोमवार को कहा था दो जून को हुए ट्रेन हादसे में अब तक पश्चिम बंगाल के 90 लोगों की मौत हो चुकी है और 73 लोगों को राज्य वापस लाया जा रहा है। पश्चिम बंगाल सरकार ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा और विशेष होमगार्ड की नौकरी देने की घोषणा की है।

सीबीआई जांच हेडलाइन मैनेजमेंट : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सीबीआई जांच के आदेश जारी करने को लेकर सवाल उठाए हैं और कहा है कि ये और कुछ नहीं बल्कि मोदी सरकार का हेडलाइन मैनेजमेंट है. इसे लेकर उन्होंने पूरी क्रोनोलॉजी भी समझाई, इसके साथ कांग्रेस नेता ने 2016 में कानपुर के नजदीक हुए एक रेल हादसे का भी जिक्र किया और बताया कि उसकी एनआईए जांच के आदेश दिए गए थे लेकिन अब तक कुछ भी नहीं पता लग पाया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्विटर पर सरकार को घेरते हुए लिखा, रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने अभी बालासोर ट्रेन दुर्घटना पर अपनी रिपोर्ट भी नहीं दी है।

यात्रा की जानकारी ईडी को दी थी : अभिषेक

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उनकी पत्नी की यात्रा की योजना विनम्रता से ईडी के साथ साझा की गई थी। उन्होंने कहा,कि अगर मेरे इरादे गलत होते, तो मैं उन्हें सूचित नहीं करता। रुजिरा के एक वकील ने बताया, उन्हें एक मामले में ईडी की ओर से जारी लुकआउट नोटिस का हवाला देते हुए आव्रजन पर रोका गया। उच्चतम न्यायालय के एक आदेश में कहा गया है कि उनकी विदेश यात्रा पर कोई रोक नहीं है। वकील ने कहा कि रुजिरा ने ईडी को शनिवार को अपनी यात्रा योजना के संबंध में जानकारी दी थी और टिकट की प्रति भी दी थी।

दबाव में न आएं केंद्रीय जांच एजेंसियां : गहलोत

राजस्थान में रीट और सेकेंड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा से जुड़े मामले में राजस्थान के आधा दर्जन से ज्यादा जिलों में ईडी की टीमों ने सोमवार को 27 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी जयपुर, अजमेर, जोधपुर, बाड़मेर, उदयपुर, जालोर, सिरोही सहित कई जिलों में की गई है। इस कार्रवाई से गहलोत सरकार में हलचल मची हुई है। ईडी की इस कार्रवाई से नाराज सीएम ने कहा कि जब एसीबी अपना काम ठीक से कर रही है तो फिर केंद्रीय एजेंसियां इसमें क्यों दखल दे रही हैं। असल में ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग राजस्थान में घुसने को बेताब हैं।

सिर्फ परेशान कर रही ईडी : ममता बनर्जी

भतीजे की पत्नी को उड़ान से रोकने पर भड़कीं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी को एयरपोर्ट पर रोके जाने पर भाजपा को खूब खरी-खोटी सुनाई है। ज्ञात हो प्रवर्तन निदेशालय के लुकआउट नोटिस का हवाला देते हुए कथित तौर पर संयक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने वाले एक विमान में सवार होने से रोक दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने रुजिरा बनर्जी को आठ जून को पेश होने को कहा है,ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने अपनी यात्रा योजनाओं के बारे में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सूचित करने के बावजूद, रुजिरा बनर्जी को देश से बाहर जाने से रोकने के बाद भाजपा पर निशाना साधा है।

जांच से ममता क्यों घबरा रहीं : शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने घटना को लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि घटना टीएमसी की साजिश है। सीबीआई जांच से ममता बनर्जी डर क्यों रही हैं? हादसा दूसरे राज्य में हुआ है तो ममता बनर्जी जांच से घबरा क्यों रही हैं? उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि टीएमसी ने पुलिस की मदद से दो रेलवे अधिकारियों के फोन टैप कर लिए। उन्हें दोनों अधिकारियों की बातचीत के बारे में जानकारी कैसे लगी? बातचीत कैसे लीक हुई, यह भी जांच का विषय है। सीबीआई जांच के दौरान इसकी भी जांच होनी चाहिए, नहीं तो मैं कोर्ट जाऊंगा।

आपरेशन ब्लू स्टार के 39 साल

» भिंडरावाले की हरकत से दहला था पंजाब

» लेफ्टिनेंट जनरल कुलदीप सिंह को मिली थी कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी चंद महीने पहले पंजाब में अमृतपाल सिंह ने वहां का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की थी पर पंजाब पुलिस व एनआईए ने उसे नाकाम कर दिया। पर लगभग 39 साल पहले ऐसा नहीं हुआ था। भिंडरावाले की वजह से पूरा पंजाब आतंकवाद की चपेट में आ गया था। ऑपरेशन ब्लू स्टार की 6 जून बरसी है। आज से 39 साल पहले छह जून 1984 को भारतीय सेना ने अमृतसर स्थित हरिमंदिर साहिब परिसर को दमदमी टकसाल के नेता और खालिस्तान समर्थक जनरैल सिंह भिंडरावाले और उसके अनुयायियों से मुक्त कराने के लिए एक विशेष अभियान चलाया था, जिसे ऑपरेशन ब्लू स्टार के नाम से जाना जाता है। यह ऑपरेशन इसलिए चलाया गया, क्योंकि पंजाब में भिंडरावाले के नेतृत्व में अलगाववादी ताकतें सशक्त हो रही थीं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की कमान लेफ्टिनेंट जनरल कुलदीप सिंह बरार को सौंपी गई थी। उन्हें इसके बारे में 31 मई 1984 की शाम को पता चला, जब वे पत्नी के साथ छुट्टियां मनाने के लिए मनाली निकलने वाले थे। उस समय पंजाब अलगाववाद की आग में जल रहा था। स्वर्ण मंदिर पर भिंडरावाले ने कब्जा कर लिया था। ऐसे में उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाने को मंजूरी दी। बरार ने बताया कि मेरे पास शाम को फोन आता है कि मुझे अगले दिन पहली जून की सुबह चंडी मंदिर एक मीटिंग के लिए पहुंचना है। फोन आने के बाद मैं मेरठ से दिल्ली सड़क मार्ग से गया और फिर वहां से प्लेन से चंडीगढ़ और पश्चिम कमान के मुख्यालय पहुंचा। यहां पता चला कि मुझे ऑपरेशन ब्लू स्टार को अंजाम देना है।

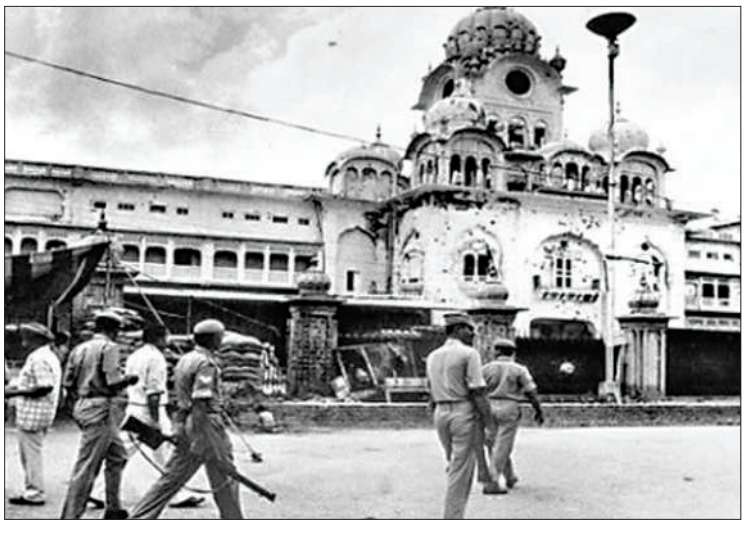

लेफ्टिनेंट जनरल कुलदीप सिंह बरार कौन थे?

लेफ्टिनेंट जनरल कुलदीप सिंह बरार 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के हीरो थे। वे 16 दिसंबर 1971 को ढाका में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय सैनिकों में से एक थे। उन्हें जमालपुर की लड़ाई में असाधारण वीरता दिखाने के लिए वीर चक्र दिया गया, जो भारत का तीसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है।

पैराशूट रेजिमेंट की अहम भूमिका

ऑपरेशन ब्लू स्टार का नेतृत्व पैराशूट रेजिमेंट के जनरल सुंदरजी, जनरल दयाल और जनरल बरार कर रहे थे। तीनों की कोशिश थी कि इस पूरी मुहिम को रात के अंधेरे में अंजाम दिया जाए। इसलिए उन्होंने दस बजे के आसपास स्वर्ण मंदिर पर हमला बोल दिया।अकाल तख्त की ओर सैनिक बढ़ने लगे, लेकिन तभी उन पर दोनों तरफ से ऑटोमैटिक हथियारों से गोलीबारी होनी शुरू हो गई। इस हमले में कई कमांडो मारे गए।कमांडो की मदद करने आए लेफ्टिनेंट कर्नल इसरार रहीम खां के नेतृत्व में दसवीं बटालियन के गार्ड्स ने दोनों तरफ के मशीनगनों के ठिकानों को निष्क्रिय कर दिया, लेकिन तभी फिर से गोलीबारी शुरू हो गई।सरोवर के दूसरी ओर से गोलीबारी होने लगी। कर्नल इसरार खां ने सरोवर के पार भवन पर गोली चलाने की अनुमति मांगी, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। भिंडरावाले की प्लानिंग और किलेबंदी इतनी मजबूत थी कि सेना के लिए उससे पार पाना मुश्किल लगने लगा। अलगाववादी जमीन के नीचे मेन होल से निकलकर मशीनगन से फायर कर रहे थे, जिससे कई सैनिकों के पैर में गोली लगी।

493 लोगों की हुई थी मौत

ऑपरेशन ब्लू स्टार में भारतीय सेना के 83 सैनिक मारे गए, जबकि 249 घायल हुए। इसके अलावा, 493 अन्य लोगों की भी मौत की पुष्टि हुई। एक हजार 592 लोगों को हिरासत में लिया गया था। इस ऑपरेशन से विश्व में सिख समुदाय की भावनाएं आहत हुईं। इसकी टाइमिंग, रणनीति और क्रियान्वयन पर भी सवाल उठे। आखिरकार इंदिरा गांधी को अपनी जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ी।

भिंडरावाले को नेताओं ने दिया था बढ़ावा

ऐसा कहा जाता है कि भिंडरावाले को कांग्रेस ने ही बढ़ावा दिया था, क्योंकि वह अकालियों के सामने सिखों की मांग उठाने वाले ऐसे शख्स को खड़ा करना चाहती थी, जो उसको मिलने वाले समर्थन में सेंध लगा सके। भिंडरावाले ने पहले तो विवादित मुद्दों पर बयान देना शुरू किया, लेकिन बाद में उसने केंद्र सरकार पर भी हमला बोलना शुरू कर दिया, जिससे पंजाब में हिंसा की घटनाएं बढ़ने लगीं। भिंडरावाले ने 1982 में चौक गुरुद्वारा को छोड़ दिया और स्वर्ण मंदिर में गुरुनानक निवास आकर रहने लगा, जिसके कुछ महीनों बाद वह अकाल तख्त से अपने विचार व्यक्त करना शुरू कर दिया।

ढेर किया गया भिंडरावाले

जनरल बरार ने आर्म्ड पर्सनल कैरियर के इस्तेमाल का फैसला किया, लेकिन यह जैसे ही अकाल तख्त की ओर बढ़ा, इसे रॉकेट लान्चर से उड़ा दिया गया जिसके चलते मजबूर होकर उन्हें टैंकों का इस्तेमाल करना पड़ा। टैंक से अकाल तख्त के ऊपर वाले हिस्से पर कम से कम 80 गोले बरसाए गए, जिससे लोग बाहर निकलने लगे। फायरिंग भी बंद हो गई। जवानों ने अंदर जाकर तलाशी ली तो भिंडरावाले की मौत का पता चला।

मुख्य बातें

ऑपरेशन ब्लू स्टार केंद्र सरकार और सिख अलगाववादियों के बीच महीनों के तनाव के बाद एक जून 1984 को शुरू किया गया था। भारतीय सेना ने स्वर्ण मंदिर परिसर पर हमला करने के लिए टैंकों, तोपखाने और हेलीकाप्टरों का इस्तेमाल किया। ऑपरेशन चार दिनों तक चला और इसके परिणामस्वरूप कई नागरिकों सहित सैकड़ों लोगों की मौत हो गई।ऑपरेशन के कारण भारत में सिखों के खिलाफ हिंसा की लहर चल पड़ी, जिसमें हजारों लोग मारे गए।केंद्र सरकार ने ऑपरेशन को सही ठहराते हुए दावा किया कि भिंडरावाले और उसके अनुयायी स्वर्ण मंदिर परिसर का उपयोग राज्य पर हमला शुरू करने के लिए कर रहे थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पर्यावरण के संरक्षण पर रोज दें ध्यान

आज ग्लोबल वॉर्मिंग विश्व की एक गंभीर समस्या बन चुकी है तथा सर्वविदित है कि यह ग्लोबल वॉर्मिंग दीर्घकाल में जलवायु परिवर्तन को जन्म दे रही है, जिस से दुनिया भर में मौसम के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2027 तक पृथ्वी का तापमान ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच जायेगा।

5 जून को पूरे विश्व ने पर्यावरण दिवस मनाया। दुनियाभर में प्रकृति को बचाने के लिए कई कार्यक्रम किए गए। कुछ कार्यक्रम लंबे चलेंगे कुछ तुरंत खत्म हो गए। चारों तरफ जलवायु परिवर्तन, वातावरण व प्रदूषण पर चर्चा हुई। पर विडंबना देखिए दूसरे ही दिन से सब कुछ भूला दिया जाएगा। सवाल यही है कि लोगों को एक दिन ही क्यों याद आती है हमेशा क्यों नहीं। खैर लोगों को अपने भविष्य को बचाने के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। पर्यावरण दिवस (5 जून) एक ऐसा अवसर है, जो लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने तथा पर्यावरण के संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करता है। आज ग्लोबल वॉर्मिंग विश्व की एक गंभीर समस्या बन चुकी है तथा सर्वविदित है कि यह ग्लोबल वॉर्मिंग दीर्घकाल में जलवायु परिवर्तन को जन्म दे रही है, जिस से दुनिया भर में मौसम के स्वरूप में बदलाव हो रहा है।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2027 तक पृथ्वी का तापमान ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच जायेगा। आज ग्लोबल वॉर्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, 2021 यूएनएफसीसीसी कॉप 26 के दौरान ग्लासगो में वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली की अवधारणा पेश की और परंपरागत जीवन शैली और प्रथाओं को अपनाने के लिए एक वैश्विक प्रयास को फिर से शुरू करने का आह्वान किया। पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अनादि काल से ही भारत के आदिवासियों के जीवन की एक अभिन्न पहचान रही है। ये बात अलग है कि आदिवासियों को विभिन्न सामाजिक व आधुनिक जीवनशैली के आयामों में पिछड़ा हुआ माना जाता है, परंतु इन समाजों का पर्यावरण के प्रति प्रेम, इसके संरक्षण का दूरगामी दृष्टिकोण एवं पर्यावरण के साथ उनका अन्योन्याश्रय संबध वर्तमान परिपेक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसे संकटों से बचाने की प्रेरणा देता है। आदिवासी कभी भी प्रकृति को नुकसान पहुँचाकर कुछ भी पाना नहीं चाहता इसलिए उसने पर्यावरण को नुकसान से बचा कर अपने जीवन को सरल बना रखा है। आदिवासी प्रकृति के पूजक हैं और प्रकृति में पाये जाने वाले सभी जीव, जंतु, पर्वत, नदियाँ, पेड़ पौधों आदि की पूजा करते हैं। आदिवासियों का पर्यावरण के साथ घनिष्ठ सम्बंध है और यह बात आप इससे समझ सकते हैं कि अभी कुछ दिन पहले खूंटी झारखण्ड में 501 आदिवासी जोड़े जंगल में पेड़ों को साक्षी मानकर उनके समक्ष विवाह के पवित्र बंधन में बंधे। जनजातीय लोग प्रकृति के साथ अपना सामंजस्य स्थापित कर वन्यजीवों के साथ-साथ प्राकृतिक संपदाओं की भी सुरक्षा करते हैं। अगर आप देखें तो पूरे विश्व में जंगल आज उन्हीं जगहों पर ज्यादा घने और बचे हुए हैं, जहाँ-जहाँ पर आदिवासी लोग बसे हुए हैं। पूरे देश के लोगों को इन्हीं की तरह से आगे आना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सतह पर क्यों आने लगी ये अंतर्कलह

हेमंत पाल

मध्य प्रदेश में करीब 18 साल से भाजपा सरकार में है। इस बीच करीब सवा साल कांग्रेस की सरकार जरूर रही, पर भाजपा की सत्ता का लम्बा दौर चला। इस कार्यकाल में उमा भारती, बाबूलाल गौर के बाद 15 साल से ज्यादा समय तक शिवराज सिंह चौहान कुर्सी संभाल रहे हैं। इस बात में दो राय नहीं कि इतने सालों तक जब कोई पार्टी सत्ता में होती है तो उसकी खूबियों से ज्यादा लोग उसमें खामियां खोजने लगते हैं। वही संकट भाजपा के सामने भी उभरता दिखाई देने लगा। इस कारण भाजपा के सामने विधानसभा चुनाव से पहले चुनौतियां ज्यादा हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, पार्टी में अंतर्द्वंद्व के हालात बनते दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे एक वजह ये भी है, कि एंटी इंकम्बेंसी भी अपना असर दिखाने लगी है। भाजपा को नेताओं की आपसी खींचतान से भी परेशानी हो रही है।

अनुशासित, कैडर बेस और राजनीतिक शुचिता के लिए जानी जाने वाली पार्टी के लिए ये हालात अच्छे नहीं कहे जा सकते। जबकि, विधानसभा चुनाव को सिर्फ 6 महीने बचे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद आलाकमान का पूरा ध्यान भी मध्यप्रदेश पर है। प्रदेश भाजपा में जो स्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे तो अपनी जगह! पर, ज्योतिरादित्य सिंधिया पार्टी में एक अलग फैक्टर बन गए हैं! तीन साल पहले जब सिंधिया दल-बल समेत भाजपा में आए थे, तब और अब में बहुत कुछ बदल गया है। उपचुनाव में सिंधिया समर्थकों को जिताने वाले भाजपा के लोग ही अब उनके विरोध पर उतर आए। इसलिए कि जहां से सिंधिया के लोग उपचुनाव जीते थे, वहां के मूल भाजपा नेताओं को अपना भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। उनको लगने लगा कि सिंधिया अपने समर्थकों को ज्यादा टिकट दिलाने का दबाव बना सकते हैं। सिंधिया के साथ भाजपा में आने के बाद उपचुनाव हारे नेता भी टिकट की दावेदारी से पीछे नहीं हैं। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में जमीनी स्तर पर जो असंतोष उभरता दिखाई दे रहा है, वो पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पार्टी के पुराने नेताओं ने अपनी उपेक्षा से नाराज होकर जैसे मोर्चा खोल दिया।

इंदौर से देवास, सागर और कटनी तक में असंतोष का गुबार दिखाई दिया। देवास में तो भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी के तीन बार के विधायक बेटे दीपक जोशी ने तो पार्टी छोड़ दी। पूर्व विधायक और इंदौर के नेता भंवरसिंह शेखावत ने भी

खुलकर अपने इरादे जाहिर कर दिए। सागर में मंत्री भूपेंद्र सिंह के खिलाफ स्थानीय विधायकों ने ही मोर्चा खोल दिया। सिंधिया के समर्थक मंत्री उन पर सीधा हमला कर चुके हैं। जबकि, कटनी में भी पूर्व विधायक ध्रुवप्रताप सिंह ने संगठन पर आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। कटनी के तीन और पूर्व विधायकों ने नाराजी जाहिर कर दी। इससे पहले जबलपुर के पूर्व विधायक हरेंद्रजीत सिंह बब्बू और इंदौर के सत्यनारायण सत्तन ने भी बगावती तेवर दिखाए थे। पार्टी के पुराने नेताओं की अवहेलना, अनदेखी और उन्हें हाशिए पर रख देने से बनी स्थिति ने मामले को और पेचीदा कर दिया। पार्टी के पुराने और अनुभवी नेताओं का कहना है कि उन्हें पार्टी संगठन ने दरकिनार कर दिया। उनके मुताबिक अब पार्टी का कोई ऐसा प्लेटफार्म नहीं बचा, जहां नए और पुराने नेता मशविरा कर सकें। इससे पहले के पार्टी अध्यक्षों ने नए और पुराने नेताओं को एक जगह पर बैठाकर इसे जारी रखा था। लेकिन, संगठन के नए ढांचे ने पुराने अनुभवी नेताओं को किनारे कर दिया। पिछले कुछ महीने से भाजपा में जो अंतर्कलह बड़ी, उसका बड़ा कारण पुराने और नए चेहरों के बीच बढ़ती दूरी ही है। करीब दर्जनभर नेताओं ने इस मुद्दे पर अपनी जुबान खोली, जो अभी तक घुटन में थे। जिस भी पुराने नेता ने जुबान खोली, सबके निशाने पर पार्टी का संगठन और उससे जुड़े नेता रहे। राज्यसभा के पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा ने भी इसी मुद्दे पर अपना रोष व्यक्त किया। उन्होंने तो उन पांच संगठन मंत्रियों पर भी उंगली उठाई, जिनकी छत्रछाया में प्रदेश में पार्टी का संगठन चल रहा है। जबकि, भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसकी संगठनात्मक क्षमता और अनुशासन ही रहा है। लेकिन, इसके बावजूद दर्शाया ये जा रहा है कि सब कुछ सामान्य है।

अंदर ही अंदर पार्टी का अनुशासन दरक रहा है। पार्टी के एक और पुराने नेता का कहना है, कि भाजपा विधान के अनुसार जब भी कार्यकारिणी गठित होती है, सिर्फ 20 प्रतिशत लोगों को ही बदला जाता है। लेकिन, अब तो 100 प्रतिशत लोगों को बदला जाने लगा। दरअसल, पार्टी में संवादहीनता के हालात ही इसकी वजह हैं!

साकार होता स्वदेशी जीपीएस का सपना

शशांक द्विवेदी

स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सेकेंड जनरेशन नेविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-01 को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया। इससे स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली ज्यादा सटीक हो सकेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एनवीएस-01 सैटेलाइट में स्वदेशी परमाणु घड़ी लगाई गई है। इसके पहले सटीक तिथि और जगह की जानकारी का पता लगाने के लिए रूबिडियम परमाणु घड़ियों को विदेशों से आयातित करना पड़ता था। इसे विकसित करने की तकनीक कुछ ही देशों के पास है।

दरअसल, परमाणु घड़ियों द्वारा ही सिग्नल को भेजने और सिग्नल को प्राप्त करने में लगे समय की गणना की जाती है। इसके आधार पर स्थान निर्धारण किया जाता है। इसरो के अनुसार एनवीएस-01 उपग्रह एल5 और एस फ्रीक्वेंसी सिग्नल के अलावा एल1 सिग्नल भेजने में भी सक्षम होगा। मौसम संबंधी अलर्ट जारी करने में इस सिग्नल से काफी सहायता मिलती है। असल में ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम, जीपीएस में सबसे अधिक एल1 सिग्नल का ही उपयोग होता है। एनवीएस-01 की लांचिंग नाविक (नेविगेशन विद इंडियन कान्स्टेलेशन) सर्विस की निरंतरता को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। यह अमेरिका के जीपीएस की तरह भारत का अपना सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम है, जिससे रियल टाइम और सटीक नेविगेशन संभव होता है। असल में इंडियन रीजनल नेविगेशन सिस्टम के तहत सात सैटेलाइट प्रक्षेपित किये गए थे। इनके जरिए भारत में नेविगेशन सेवाए मिल रही थीं। इनका इस्तेमाल सेना और विमान सेवाओं के लिए किया जा रहा था। इनमें से तीन सैटेलाइट काम नहीं कर रहे थे। इसलिए इसरो ने 5 नए सैटेलाइट लॉन्च करने की ठानी, एनवीएस-01 उनमें से एक है। इन आधुनिक सैटेलाइट्स को पुराने सैटेलाइट्स की तुलना में अधिक समय तक काम कर पाने की क्षमता के साथ बनाया गया है। पुराने उपग्रह 10 सालों तक सेवाएं देते हैं जबकि नेक्स्ट जनरेशन सैटेलाइट 12 सालों तक सटीक सेवाएं दे सकते हैं।

एनवीएस-01 भारत के समुद्र के भीतर सटीक और रीयल टाइम नेविगेशन सेवा उपलब्ध कराएगी, जिससे समंदर में जहाजों के रियल टाइम पोजीशन का सटीक अंदाजा लग सकेगा। इसके अलावा इससे हवाई, स्थलीय और समुद्री नेविगेशन में सहायता मिलेगी। एनवीएस-01 से मोबाइल लोकेशन सर्विसेस और भी दुरुस्त हो जाएंगी। इससे इमरजेंसी सर्विसेस, जियोडेटिक सर्वे, मरीन फिशरीज, कृषि संबंधी जानकारी हासिल करने में सहायता मिलेगी। स्वदेशी जीपीएस नाविक से सर्विसेज नेविगेशन में मदद मिलेगी। नाविक विभिन्न कंपनियों के लिए नेविगेशन सब्सक्रिप्शन कॉस्ट को कम कर सकता है और एक्यूरेसी बढ़ा सकता है। नाविक से अमेरिका के जीपीएस पर निर्भरता कम होगी और इंटरनेशनल बॉर्डर सिक्योरिटी ज्यादा बेहतर होगी। चक्रवातों के दौरान मछुआरों, पुलिस, सेना और हवाई/जल परिवहन को बेहतर नेविगेशन सिक्योरिटी मिलेगी। नाविक टेक्नोलॉजी ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री को मदद कर सकती है। भारत का आईआरएनएसएस अमेरिका के ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस), रूस के ग्लोनास, यूरोप के गलीलियो जैसा है। अब जीपीएस के लिए भारत को दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। भारतीय अरमानों को पंख लगाने वाला इसरो का ये कार्यक्रम अंतरिक्ष अनुसंधान के इतिहास में भारत का गौरव बढ़ाने वाला साबित होगा।

नि:संदेह, यह अभियान देश के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई दिशा प्रदान कर रहा है। इससे देश का नेविगेशन सिस्टम मजबूत होगा जो परिवहनों तथा उनकी सही स्थिति एवं स्थान का पता लगाने में सहायक सिद्ध होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार देशी नेविगेशन सिस्टम आम आदमी की जिंदगी को सुधारने के अलावा सैन्य गतिविधियों, आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी उपायों के रूप में बेहद उपयोगी होगा। खासकर 1999 में सामने आयी कारगिल जैसी घुसपैठ और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से इसके जरिये समय रहते निपटा जा सकेगा। कारगिल घुसपैठ के समय भारत के पास ऐसा कोई सिस्टम मौजूद नहीं होने के कारण सीमा पार से होने वाली घुसपैठ को समय रहते नहीं जाना जा सका। बाद में यह चुनौती बढ़ने पर भारत ने अमेरिका से जीपीएस सिस्टम से मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया था। हालांकि तब अमेरिका ने मदद मुहैया कराने से इनकार कर दिया था। उसके बाद से ही जीपीएस की तरह देशी नेविगेशन सैटेलाइट नेटवर्क के विकास पर जोर दिया गया।

जीपीएस (ग्लोबल पॉजिशनिंग सिस्टम) एक उपग्रह प्रणाली पर काम करता है। जीपीएस सीधे सैटेलाइट से कनेक्ट होता है और उपग्रहों द्वारा भेजे गए संदेशों पर काम करता है। जीपीएस डिवाइस उपग्रह से प्राप्त सिग्नल द्वारा उस जगह को मैप में दर्शाती रहती है। वर्तमान में जीपीएस तीन प्रमुख क्षेत्रों से मिलकर बना हुआ है, स्पेस सेगमेंट, कंट्रोल सेगमेंट और यूजर सेगमेंट। जीपीएस रिसीवर अपनी स्थिति का आकलन, पृथ्वी से ऊपर रखे गए जीपीएस सैटेलाइट द्वारा भेजे जाने वाले सिग्नलों के आधार पर करता है। प्रत्येक सैटेलाइट लगातार मैसेज ट्रांसमिट करता रहता है। रिसीवर प्रत्येक मैसेज का ट्रांजिट समय नोट करता है और प्रत्येक सैटेलाइट से दूरी की गणना करता है। ऐसा माना जाता है कि रिसीवर बेहतर गणना के लिए चार सैटेलाइट का इस्तेमाल करता है। इससे यूजर की थ्रीडी स्थिति (अक्षांश, देशांतर रेखा और उन्नतांश) के बारे में पता चल जाता है। एक बार जीपीएस की स्थिति का पता चलने के बाद, जीपीएस यूनिट दूसरी जानकारियां जैसे कि स्पीड, ट्रेक, ट्रिप, दूरी, जगह से दूरी, सूर्य उगने और डूबने के समय के बारे में जानकारी एकत्र कर लेता है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का इतिहास

जुलाई 2017 में खाद्य एवं कृषि संगठन सम्मेलन के 40वें सत्र में आपनाएं गए विश्व खाद सुरक्षा दिवस के प्रस्ताव पर दिसंबर 2017 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपना समर्थन व्यक्त किया। इसके बाद इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 73वें सत्र की दूसरी समिति के समक्ष रखा गया, जिसे महासभा ने अपना लिया और 20 दिसंबर 2018 को हर साल 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाने की घोषणा की गई।

महत्व

टॉयफाइड की बीमारी दूषित जल और भोजन की वजह से होने वाली बीमारी है। जिससे हर साल सैकड़ों लोग प्रभावित होते हैं। बड़ों के साथ बच्चे भी अच्छी-खासी तादाद में खराब भोजन से होने वाली परेशानियों का शिकार होते हैं और कई बार तो उनकी जान भी चली जाती है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष

अच्छी सेहत के लिए खानपान का रोल है महत्वपूर्ण

हर साल जून माह की 7 तारीख का दिन वर्ल्ड फूड सेफ्टी डे के तौर पर मनाया जाता है। जिसका मकसद लोगों को फूड सेफ्टी के महत्व को समझाना है। शरीर के सेहतमंद बनाए रखने में खानपान का रोल सबसे खास होता है। लेकिन लोगों की फूड हैबिट्स और जरूरतों को देखते हुए अब कई सारी चीजों को बनाने और उगाने का तरीका बदल चुका है। उनमें तरह-तरह के केमिकल्स मिलाए जा रहे हैं। तो लोगों को दूषित भोजन और पानी के नुकसान के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 7 जून को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है।

विश्व खाद्य सुरक्षा की थीम

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन हर साल इस खास दिन को मनाने के लिए एक थीम डिसाइड करता है। इस साल यानी 2023 में इसकी थीम है 'खाद्य मानक जीवन बचाते हैं। इस थीम के जरिए लोगों को खाने के लिए तय मानकों का महत्व समझाना है। पिछले साल यानी कि साल 2022 में इसकी थीम थी सेफ फूड बेटर हेल्थ।

उद्देश्य

असुरक्षित खानपान से सेहत संबंधी कई सारी बीमारियों के होने का खतरा होता है। ऐसे में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाने का मकसद हर एक व्यक्ति को पौष्टिक और संतुलित भोजन प्रदान करना है। इसके साथ ही खानपान से होने वाले खतरों को रोकना, मिलावटी चीजों का पता लगाना और इनके बारे में लोगों को बताकर उन्हें सेहत के प्रति जागरूक बनाना है। खाद्य सुरक्षा न केवल खाना खाने वाले लोगों के लिए, बल्कि कृषि क्षेत्र और समग्र रूप से अर्थव्यवस्था के लिए भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। खाद्य सुरक्षा सार्वजनिक स्वास्थ्य का मामला है, और यह आवश्यक है कि उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों की सुरक्षा के लिए नियम बनाए जाएं। खाद्य सुरक्षा में नियम एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि भोजन का उत्पादन सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से हो और यह दूषित पदार्थों से मुक्त हो। नियम यह सुनिश्चित करने में भी मदद करते हैं कि भोजन उपभोक्ताओं के लिए वहनीय है, साथ ही किसानों की रक्षा भी करता है और खाद्य अपशिष्ट की मात्रा को सीमित करता है।

हंसना मना है

पति- देखो बाहर बारिश हो रही है। पत्नी- कुछ सोचना भी मत। घर में बेसन नहीं है, प्याज वैसे भी बहुत महंगे हैं और आज बाई भी नहीं आई है, सारे बर्तन जूठे पड़े हैं। हां, अब ये मत कह देना कि चलो एक गिलास और आइस दे दो, बच्चे अब बड़े हो गए हैं, ये सब अब घर में बिल्कुल नहीं चलेगा। पति झल्लाकर बोला- अब क्या मैं ये भी नहीं कह सकता हूं कि बाहर बारिश हो रही है।

जीजा अपनी साली के साथ चैटिंग कर रहा था, जीजा- वाह तुम तो अपनी बहन से भी ज्यादा सुन्दर हो... साली - जीजू आप बड़े वो हो.. जीजा- अच्छा ये तो बताओ तुम इतनी सुंदर कैसे हो? आखिर क्या use करती हो? साली - फोटोशॉप ... जीजा बेहोश

भिखारी- बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए। मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं। मोनू- पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी- मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

संता- यार मेरे बोर्ड के एग्जाम शुरू होने वाले हैं, बंता- अबे तो डरता क्यों है? संता- सब बोलते हैं दसवीं का एग्जाम ही सबसे इम्पोर्टेन्ट हैं, बंता- अबे ज्यादा टेंशन मत ले, 10वीं की मार्कशीट तो बस जन्मतिथि देखने के काम ही आती है।

कहानी | दुसरो पे संदेह

एक लकड़ा और लड़की हमेशा एक साथ ही खेलते थे। एक दिन वो लड़की अपने पास कुछ मिठाई रखकर लायी थी। और लड़के के पास कुछ खिलौने रखे थे। लड़के ने लड़की से कहा क्या तुम मुझे अपनी सारी मिठाई दे सकती हो। इसके बदले में मैं तुम्हे अपने सारे खिलौने दे दूंगा। लड़की इस बात के लिए राजी हो गई और अपनी सारी मिठाई उस लड़के को दे दी। लड़के ने भी सारे खिलौने उस लड़की को दे दिया, बस उस लड़के एक सुन्दर सा खिलौना अपने पास चुपके से रख लिया। लड़की खिलौने पा के बहुत खुश हो गई और अपने घर चली गई। लड़का भी मिठाई मिलने के बाद बहुत खुश हुआ वो भी अपने घर चला गया। लड़की रात को आराम से सो गई। पर लड़के को रात भर नींद नहीं आई। क्योंकी वो लड़का रात भर सो नहीं सका। बस वह रात भर ये सोच के परेशान हो रहा था कि, क्या? वो लड़की भी कुछ स्वादिष्ट मिठाई उससे छुपा कर ले गयी होगी। जिस तरह से उसने अपना सबसे अच्छा खिलौना छुपाया लिया है।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि अगर आप किसी के साथ गलत करते है तो आपको चिंता बनी रहती है कि वो भी हमारे साथ गलत करेगा। या नहीं इसलिए हमें हमेशा किसी के साथ गलत नहीं करना चाहिए। और दूसरों पर विश्वास करना चाहिए और उनके प्रति ईमानदार रहना चाहिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करेंगे। आपको किसी सामाजिक कार्य में शामिल होने का मौका मिल सकता है। मेहनत से काम में आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ

आज आप कई कार्यों में व्यस्त रहेंगे। यदि व्यवसाय या नौकरी की तलाश है तो आप सफल रहेंगे। नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति या प्रगति के प्रबल संकेत हैं।

मिथुन
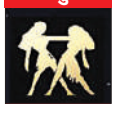
आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने करेंगे। अविवाहित लोगों को लव प्रपोजल मिल सकते हैं। आने वाले समय में आपकी महत्वकांक्षाएं और बढ़ सकती है।

कर्क

आर्थिक रूप से दिन शुभ है। आप आय का एक अतिरिक्त स्रोत विकसित कर सकते हैं। भाग्य आपका साथ देगा और आप कठिन कार्यों को पूरा कर पाएंगे।

सिंह

आप अपना ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बितायेंगे। आज आपके लिए कोई फैसला करना थोड़ा कठिन भी हो सकता है। आपका पैसा आते-आते कहीं रूक सकता है।

कन्या

आज आपकी अधिकांश योजनाएं क्रियान्वित होंगी। और आप परिश्रमी रहेंगे। व्यापारी अपनी प्रखर सोच के लिए प्रशंसा एवं सम्मान के पात्र बनेंगे।

तुला

आज आपके काम बनते-बनते रूक सकते हैं। आपको कोई भी कार्य करने से पहले अपने से बड़ों की राय जरूर लेनी चाहिए। इससे आपको लाभ होगा।

वृश्चिक

आज आप अनावश्यक जटिलताओं में फंस सकते हैं और आपको चल रही परियोजनाओं में बाधाओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

धनु

आज बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे। परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

मकर

आज का दिन आप में से अधिकतर के लिए शुभ परिणामदायक रहेगा। सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोग कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगे।

कुम्भ

आज आप अपने माता-पिता के साथ शॉपिंग के लिए जायेंगे। वहां आपको अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है। लोग आपकी मेहनत की सराहना करेंगे।

मीन

आज आपके लिए समय कठोर हो सकता हैं और कुछ काम पूरा करने में असमर्थ हो सकते हैं। व्यावसायियों को कुछ श्रम संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

प्रियंका चाहर चौधरी ने कर ली सगाई?

टी वी एक्ट्रेस और बिग बॉस 16 में नजर आ चुकी प्रियंका चाहर चौधरी सोशल मीडिया पर काफी छाई रहती है। हाल ही में एक्ट्रेस को अपने एक फैन से शानदार तोहफा मिला था। वहीं अब एक्ट्रेस एक खास वजह से चर्चा में आ गई है।

दरअसल, प्रियंका चाहर चौधरी ने इंस्टाग्राम पर अपनी दो तस्वीरें साझा की है, जिसमें वह अपनी रिंग फिंगर में अंगूठी फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही है।

प्रियंका ने फोटो को शेयर करते हुए लिखा, मेरी हां है। बता दें कि प्रियंका चाहर चौधरी की इस फोटो को लेकर फैंस और सितारे भी खूब कमेंट कर रहे हैं। एक्ट्रेस की इस फोटो के बाद सोशल मीडिया पर उनकी सगाई के कयास लगाए जा रहे है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर लोग उन्हें बधाई दे रहे है। लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस ने चोरी-छुपे सगाई तो नहीं कर ली है। विकास मानकतला ने अंकित गुप्ता का नाम लेकर उनकी टांग खींचने की भी कोशिश की। एक्टर ने लिखा, तो फिर बात आगे बढ़ाएं? बैंड बाजा लेकर? अंकित गुप्ता? वहीं राजीव अदातिया ने कमेंट करते हुए लिखा, ये वक्त है। मैं तुम दोनों से ही शादी करने के लिए तैयार हूं। इस फोटो के साथ प्रियंका ने रिंग की सच्चाई भी बताई है। एक्ट्रेस ने नीचे कैप्शन में लिखा- इस हीरे की अंगूठी के लिए एक लाख बार हां। इतनी शानदार अंगूठी के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। इसे करीब से देखने के लिए बाएं स्वाइप करें। चेक आउट करें उनका कलेक्शन और बनाएं अपने खास दिन को और भी खास। बता दें एक्ट्रेस का यह एक शूट था। उनकी कोई सगाई नहीं हुई है।

बॉलीवुड | मसाला

आलिया की स्पीच पर भड़के लोग

आलिया भट्ट बहुत कम वक्त में ही इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में अपने लिए एक जगह बना चुकी हैं। उन्होंने हर किरदार में बखूबी खुद को साबित किया है। प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ आलिया पर्सनल लाइफ में भी पूरी तरह से सेटल हो गई हैं। वहीं, एक्ट्रेस लगातार नए प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं। हाल ही में आलिया को एक बड़े फैशन ब्रांड ने अपना एंबेसडर चुना है।

आलिया ने ब्रांड के एक इवेंट में हाल ही में शिरकत की। यहां सभी की नजरें एक्ट्रेस पर टिकी रह गई हैं। इस दौरान उन्होंने एक मोटिवेशनल स्पीच भी दी, जिसकी वजह से अब आलिया ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। एक्ट्रेस ने इस मौके पर लैंगिक समानता पर स्पीच दी। उनकी इस स्पीच को सुनकर कई लोगों को ऐसा लगा कि वह नेचुरली नहीं बोल रहीं, बल्कि एक्ट्रेस एक रटी-रटाई कोई स्क्रिप्टेड स्पीच दे रही हैं। आलिया ने अपनी स्पीच में कहा कि अगर वह सशक्त हैं, अगर उनमें प्रोडक्टिविटी है, तो वह घर में, अपने बच्चों के लिए, समुदाय के लिए और अपने देश के लिए भी प्रोडक्टिवव ही होंगी।

अब आलिया की स्पीच का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

जब आमिर खान ने ठुकरा दिया था अंडरवर्ल्ड का इनविटेशन

आमिर खान बेशक साल में एक ही फिल्म लेकर आते हैं, लेकिन उनकी हर फिल्म इतनी दमदार होती है कि सालभर ही लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है। आमिर अपनी फिल्मों में हर चीज बिल्कुल परफेक्ट रखना पसंद करते हैं। वहीं, असल जिंदगी में वह खुद को फिल्मों के लिए नवाजे जाने वाले अवॉर्ड फंक्शन्स से बिल्कुल दूर ही रखते हैं। हमेशा से ही सुपरस्टार ऐसे रहे हैं। आमिर के बारे में कहा जाता है कि वह अपने उसूलों के बहुत पक्के हैं। हाल ही में प्रोड्यूसर महावीर जैन ने अपने इंटरव्यू में आमिर के उसूलों पर ही खुलकर बात की है, जिसकी वजह से उन्होंने अंडरवर्ल्ड तक से पंगा ले लिया था। इसके बाद एक्टर की लाइफ को भी रिस्क हो गया था। महावीर जैन ने अपने इस इंटरव्यू में ऐसा खुलासा किया है कि हर कोई दंग रह गया है। महावीर ने बताया, 90 का दशक ऐसा जब पूरी फिल्म इंडस्ट्री में अंडरवर्ल्ड का राज होने लगा था। उस समय अंडरवर्ल्ड जो भी पार्टी करता था उसमें फिल्मी हस्तियों को इनवाइट किया जाता था, जिसे स्वीकार करने के अलावा किसी कलाकार के पास कोई रास्ता नहीं होता था। प्रोड्यूसर ने आगे बताया, आमिर खान ने उस समय अपनी जान की भी परवाह न करते हुए इन इनविटेशन को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। एक्टर अपने सिद्धांतों के पक्के हैं। महावीर ने आगे आमिर की तारीफें करते हुए कहा कि अपने शो सत्यमेव जयते के दौरान आमिर ने 3 सालों तक किसी भी ब्रांड का इंडोर्स नहीं किया। क्योंकि उन्हें लगता था कि इस वजह से उनके शो की गंभीरता पर असर पड़ेगा। महावीर जैन ने अपनी बात पूरी करते हुए आगे कहा, आमिर खान एक बहुत अच्छे इंसान हैं। कई बार उन्हें गलत समझ लिया जाता है। सोशल मीडिया और असल जिंदगी एक दूसरे से बहुत अलग है। जो लोग आमिर को जानते हैं, वो यही बात बोलेंगे जो मैं कह रहा हूं।

यहां प्यार में धोखा खाए लोगों को सिर्फ 2 रुपये में मिलता है पान

आज तक आपने बेवफा चायवाला और बेवफा समोसा वाले का नाम सुना होगा। क्या कभी आपने बेवफा पान वाले का नाम सुना है। यह बेवफा पान वाला इंदौर में है, जो कि प्यार में धोखा खाए लोगों को मात्र 2 रुपये में स्वादिष्ट पान खिलाता है। वहीं पान प्रेमी जोड़ों को एक पान की कीमत 20 रुपये देनी पड़ती है। दुकान का नाम भी बेवफा पान वाला है। जबकि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी है। इस दुकान के संचालक रोहित ने बताया कि मेरा एक खास दोस्त रमेश है, जिसने प्यार में धोखा खाया है। यह कोई बनावटी कहानी नहीं है। मैंने खुद उस समय उसे संभाला था। हम दोनों ने पार्टनरशिप में यह दुकान शुरू की थी। मैंने भी प्यार के चक्कर में अपने दोस्त की वो हालत देखी थी, इसलिए हमने अपनी दुकान का नाम बेवफा पान वाला रख लिया। अब अकेले मैं ही इस दुकान को चलाता हूं। साथ ही कहा कि प्यार करने और दो रुपये का पान खिलाने के लिए बड़ा दिल चाहिए होता है। दुकान के संचालक रोहित ने बताया कि हम उस लड़की और हर बेवफा के नाम पर प्यार में धोखा खाए हुए लोगों को 2 रुपये का पान खिलाते हैं। धीरे-धीरे यह नाम चल भी पड़ा है। दरअसल आज यूनीक नाम का ट्रेंड भी चल रहा है। वैसे हमारी दुकान के स्पेशल मीठे पान का रेट 20 रुपये है, लेकिन प्यार में धोखा खाए हुए लोगों 18 रुपये का डिसकाउंट देते हैं। बड़ी संख्या में लोग हमारी दुकान में आकर पान खाते हैं। लोगों को हमारी दुकान के नाम के साथ साथ ही हमारी दुकान का पान भी जरूर पसंद आता है। पान तो सब बनाते हैं पर सबका सबका स्वाद अलग होता है। अगर आपने भी प्यार में धोखा खाया है तो बेहिचक इस दुकान पर जाकर आप अपनी कहानी सुना सकते हैं। साथ ही 2 रुपये में पान का लुफ्त भी उठा सकते हैं। हालांकि प्रेमी जोड़ों से 20 रुपये लिए जाते हैं, जिसे लोग पेनाल्टी का नाम भी देते हैं।

अजब-गजब | आखिर ग्राहकों को क्यों दिया जाता है धोखा

चिप्स के पैकेट में क्यों भरी होती है हवा ?

जब भी आप पैकेट वाली चिप्स खरीदते होंगे तो खोलने से पहले, उसे खाने की आपकी उत्सुकता सातवें आसमान पर होगी पर वहीं जब आप उसका पैकेट खोलकर अंदर देखते होंगे तो उत्सुकता भी एकदम से धड़ाम हो जाती होगी। कारण है उसके अंदर भरी हवा। खरीदने से पहले चिप्स का पैकेट बड़ा लगता है, पर अंदर हवा ज्यादा होती है और चिप्स कम। थोड़ी सी चिप्स आपको जरूर खराब मेहसूस करवाती होगी। पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर चिप्स के पैकेट में चिप्स के साथ इतनी हवा भरने की क्या जरूरत होती है? कहीं ऐसा तो नहीं कि चिप्स बेचने वाली कंपनियां ग्राहकों के साथ धोखा करने के लिए पैकेट में हवा भर देती हैं? चलिए आपको बताते हैं क्या है इसका कारण।

चिप्स के पैकेट में चिप्स के साथ-साथ हवा को भरने का खास कारण होता है। पैकेट में ऑक्सीजन गैस नहीं होती जिसे इंसान अपने शरीर के अंदर लेते हैं। बल्कि ये नाइट्रोजन गैस होती है। दरअसल, पैकेट में अगर ऑक्सीजन गैस भरी जाएगी तो वो अंदर के पदार्थों के साथ मिलकर रिएक्शन बनाएगी जिससे चिप्स खराब हो सकती है, और बासी भी हो सकती है। इस कारण नाइट्रोजन डालना जरूरी हो जाता है।

नाइट्रोजन एक ऐसी गैस है जो अंदर के पदार्थ के साथ कोई रिएक्शन नहीं करती और चिप्स लंबे वक्त तक ताजी रह सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि नाइट्रोजन का एटमॉस्फीयर खाने को स्टोर करने के लिए काफी कारगर होता है। पर गैस के पैकेट में रहने का भी एक वक्त तय होता है। इन पैकेट्स के ऊपर 40 से 55 दिन तक का वक्त होता है जिसकी मदद से वो खराब नहीं होते हैं। कई बार इस नाइट्रोजन गैस की वजह से आर्टीफिशियल प्रिजर्वेटिव डालने की जरूरत नहीं पड़ती है, जिसके चलते चिप्स की शेल्फ लाइफ भी बढ़ जाती है।

पैकेट में हवा भरने का एक और कारण होता है। वो ये कि चिप्स को दुकानों तक डिलिवर करने में पैकेट काफी हिलते-डुलते हैं जिससे चिप्स टूट सकती है। ऐसे में अंदर मौजूद हवा कुशन का काम करती है और चिप्स को बचा लेती है।

नए सिरे से बनेगा पुल, कंपनी से होगी वसूली : तेजस्वी यादव

» डिप्टी सीएम ने कहा, सीबीआई की जांच नहीं, वे इंजीनियर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा है कि सुल्तानगंज-अगुवानी घाट पुल के ध्वस्त हिस्से पर खर्च हुई राशि की वसूली संबंधित कंपनी सिंगला से होगी। दोषी कोई भी हों, उस पर कार्रवाई होगी।

उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार किसी को बचाने नहीं जा रही है। इस दौरान उन्होंने, भाजपा की इस मांग को भी खारिज किया कि मामले की जांच सीबीआई से कराएं। तेजस्वी का कहना था- सीबीआई वाले इंजीनियर नहीं होते हैं। जांच सही दिशा में हो रही है। आईआईटी रुड़की की जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। रिपोर्ट की अनुशंसाओं पर सरकार कार्रवाई करेगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस पुल का निर्माण नए सिरे से होगा। कोशिश होगी कि जल्द इसका निर्माण हो, क्योंकि यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। मुख्यमंत्री 2014 से ही इसके निर्माण में लगे हैं।

कंपनी के पास 34 प्रोजेक्ट, अकेले बिहार के सात पुल-फ्लाइओवर

एसपी सिंगला नाम की कंपनी इस पुल का निर्माण करा रही है। इस घटना के बाद सवाल निर्माण कंपनी पर भी उठने लगे हैं क्योंकि 14 महीने के अंदर यह दूसरी बार है जब निर्माणाधीन पुल ढह गया। कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में एसपी सिंगला कंपनी एक ऐसा नाम है जिसके क्लाइंट लगभग देश के हर राज्य हैं। यूपी से असम तक इसे टेंडर मिलते हैं। एसपी सिंगला कंपनी एक परिवार द्वारा संचालित कंपनी है। फर्म के दिल्ली और हरियाणा में पंजीकृत कार्यालय हैं। इसे 1996 में एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के रूप स्थापित किया गया था। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक बिहार में इस वक्त उसके कुल सात प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इनमें एनएच 31 और एनएच 80 को जोड़ने के लिए गंगा पर बन रहा सुल्तानगंज और अगुवानी घाट के बीच बन रहा केबल स्टेड पुल भी शामिल था। इसके अलावा पटना में एनएच-19 पर गंगा के पार नया 4-लेन एक्सट्राडोज्ड ब्रिज , शेरपुर से दिघवारा के बीच गंगा नदी पर पुल, किशनगंज शहर में फ्लाईओवर का निर्माण, दीघा से दीदारगंज के बीच बन रही फोर लेन एलिवेटेड रोड का निर्माण भी इसी कंपनी के जिम्मे है।

जिले में तीन और मंडल में सात साल पूरे कर चुके अफसर हटेंगे

» योगी सरकार ने नई तबादला नीति को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कैबिनेट ने मंगलवार को स्थानांतरण नीति 2023-24 को मंजूरी दे दी। इसमें समूह क और ख के उन अधिकारियों के स्थानांतरण किए जाएंगे, जिन्होंने जिले में 3 वर्ष और मंडल में 7 वर्ष पूरे कर लिए हैं। स्थानांतरण की प्रक्रिया 30 जून तक पूरी की जाएगी।

स्थानांतरण सत्र के बाद अब समूह क के साथ ही समूह ख के कार्मिकों के स्थानांतरण विभागीय मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री का अनुमोदन लेकर ही हो सकेंगे। इस फैसले की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने यह भी बताया कि स्थानांतरण सत्र में किसी भी तरह के तबादले विभागीय मंत्री की मंजूरी से ही होंगे। समूह क और ख के स्थानांतरण संवर्गवार कार्यरत कार्मिकों की संख्या के अधिकतम 20 प्रतिशत और समूह ग व घ के कार्मिकों की संख्या के अधिकतम 10 प्रतिशत तक की सीमा तक ही किए जा सकेंगे। समूह ग व घ के संवर्गवार 10 प्रतिशत से अधिक और अधिकतम 20 प्रतिशत की सीमा तक विभागीय मंत्री के अनुमोदन से ही किए जा सकेंगे। इसके तहत सर्वाधिक समय से कार्यरत कार्मिकों के स्थानांतरण प्राथमिकता पर किए जाएंगे।

दिव्यांग बच्चों के माता-पिता से लिए जाएंगे विकल्प

मंदित बच्चों और चलने-फिरने से पूर्णतया प्रभावित दिव्यांग बच्चों के माता-पिता की तैनाती विकल्प लेकर ऐसे स्थान पर किए जाने की व्यवस्था की गई है, जहां उसकी उचित देखभाल और इलाज की समुचित व्यवस्था हो।

एयर इंडिया के विमान की रूस में इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा कि वह सैन फ्रांसिस्को जा रहे एयर इंडिया के एक विमान के रूस में आपात स्थिति में उतरने के बाद स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली निजी विमानन कंपनी ने मंगलवार शाम एक बयान में कहा कि दिल्ली से उड़ान संख्या एआई173 को इंजन में खराबी के कारण रूस के मगदान की ओर मोड़ दिया गया।

216 यात्रियों और 16 चालक दल को लेकर उड़ान सुरक्षित रूप से उतर गई। अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा,हमे अमेरिका जा रहे एक विमान के बारे में जानकारी है, जिसे रूस में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. हालांकि, मैं यह पुष्टि करने में सक्षम नहीं हूं कि इस समय उड़ान में कितने अमेरिकी नागरिक सवार थे।

जरूरी हो तब ही दोपहर में घर से निकलें

प्रदेश में दो दिन प्रचंड लू की चेतावनी, कई शहरों में बारिश की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मौसम विभाग ने उप्र में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। बुधवार से आगामी 9 जून तक पूरे प्रदेश में तेज गर्म हवाए चलेंगी। लोगों से अपील की गई है कि जरूरी हो तब घर से निकलें। मौसम विभाग ने कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, गाजियाबाद, कन्नौज, चित्रकूट सहित प्रदेश में दो दिल के लिए हीट वेव का का अलर्ट जारी किया है। आज से 9 जून तक प्रदेश में लू का प्रचंड कहर देखने को मिलेगा। तापमान में बढ़ोतरी के साथ धूप और चिलचिलाती गर्मी में भी इजाफा होगा।

मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। दो दिन के बाद मौसम के तेजी से करवट लेने की संभावना जाताई जा रही हैं। ऐसे में प्रदेश के कई शहरों में तेज आंधी के साथ बारिश की आशंका है।

दस जून तक जारी रहेगा लू का कहर

बुधवार सुबह से ही प्रचंड गर्मी का अहसास हो गया। ऐसे में अगले दो से तीन दिनों तक राहत की उम्मीद नहीं है। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस है जो सामान्य से एक डिग्री कम रहा। उधर, मौसम विभाग की ओर से पहले सात और आठ जून को ही लू की संभावना व्यक्त की गई थी पर ताजा जानकारी के अनुसार अब सात से 10 जून तक लू का कहर चलेगा। मौसम विभाग ने बुधवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान व्यक्त किया है।

कई हिस्सों में बादल छाए रहे

मौसम में बदलाव का असर बुधवार सुबह से नजर आया। यूपी के कई शहर के कई हिस्सों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। वहीं कई जगह तेज धूप निकली है। धूप और नमी के अलग-अलग दबाव क्षेत्र इस तरह बने कि आधे शहर में जमकर पानी बरसा। ओले गिरे और दूसरे हिस्से में तेज धूप निकली रही। मौसम विज्ञानियों के अनुसार बुधवार को भी शहर में तापमान अधिक रहेगा और बादलों के छोटे-छोटे पाकेट वर्षा का कारण बनेंगे।दिन में तेज धूप की वजह से लोगों ने मुश्किल महसूस की। सड़क पर पैदल चलने वालों को छांव की तलाश करनी पड़ी लेकिन मौसम में मौजूद आर्द्रता की वजह से लोगों को तेज गर्मी में भी पसीना नहीं निकला। दोपहर बाद इस तेज धूप ने शहर के आधे हिस्से में अपना असर दिखाया। मौसम विज्ञानी डा. एसएन सुनील पांडेय का कहना है बुधवार को भी इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। अरब सागर में बने चक्रवात की वजह से इस तरह के सिस्टम बन रहे हैं। अलग-अलग हिस्सों में बादल इकट्ठा हो रहे हैं और तेज धूप में मौसम की नमी से वर्षा हो रही है। बुधवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री के आस-पास जा सकता है लेकिन दोपहर बाद छिटपुट वर्षा की संभावना भी है।

सबालेंका व मुचोवा सेमीफाइनल में

» फ्रेंच ओपन : स्वितोलिना व पावलुचेनकोवा बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और करोलिना मुचोवा ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल मे अपने-अपने मुकाबले जीतकर पहली बार सेमीफाइनल की टिकट पक्की की जहां दोनों खिलाड़ी गुरुवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे। सबालेंका ने येलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-4 से मात दी जबकि गैरवरीय मुचोवा ने 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पावलुचेनकोवा को 7-5, 6-2 से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की। दोनों खिलाड़ी पहली बार इस ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे है। इससे पहले रोलां गौरां में दोनों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर में पहुंचना था।

यूक्रेन की खिलाड़ी स्वितोलिना ने मैच गंवाने के बाद बेलारूस की अपनी प्रतिद्वंद्वी से हाथ नहीं मिलाया। उनकी इस हरकत का दर्शकों के एक वर्ग ने शोर मचाकर विरोध किया। बेलारूस ने यूक्रेन हमले पर खुल कर रूस का समर्थन किया है। सबालेंका ने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। इस से पहले खेले गये मुकाबले में मुचोवा के खिलाफ पावलुचेनकोवा के खेल पर थकान हावी रहा। उनका पिछला मुकाबला तीन घंटे से अधिक चला था। उन्होंने मुकाबले के दूसरे सेट में आसानी से घुटने टेक दिये।

सिंधू और प्रणय हारे

नई दिल्ली। गत चैंपियन पीवी सिंधू को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची को कड़ी चुनौती पेश करनी पड़ी। हालांकि इस कड़ी चुनौती के बाद भी वो जीत हासिल नहीं कर सकी। एक घंटे से अधिक चले मुकाबले में तीन गेम में 21-18 19-21 17-21 से हार झेलनी पड़ी। सिंगापुर ओपन में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और मलेशिया मास्टर्स के विजेता एचएस प्रणॉय को पहले ही राउंड में बाहर होना पड़ा है। भारत को थोड़ी खुशी किदांबी श्रीकांत ने दी। उन्होंने दूसरे दौर में जगह बनाने में सफलता हासिल की है।

श्रीकांत जीते : विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने पुरुष एकल के पहले दौर में थाईलैंड के केंटाफोन वेंगचारोन को सीधे गेम में 21-15 21-19 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अगले दौर में जापान के केंटा निशिमोटो और चीनी ताइपे के चियो हाओ ली के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे।

राजधानी के कई बिल्डरों के यहां आयकर के छापे

» नोएडा और दिल्ली समेत कई ठिकानों पर पड़ी रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इनकम टैक्स विभाग ने बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को सुबह-सुबह आयकर की टीम शहर के बड़े बिल्डर और कारोबारियों के यहां पहुंच गई। इसमें अमरावती बिल्डर, पांडेय ब्रदर्श और तलवार ब्रदर्श जैसे बड़े नाम शाम शामिल हैं। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली दरबार ऐसे लोगों की सूची बना रहा था जिन्होंने पिछले कुछ सालों में बेशुमार दौलत बनायी है। इनमें कई नौकरशाह और राजनेता भी शामिल हैं।

इस कंपनी से जुड़े लोगों के यहॉ लखनऊ, नोएडा और दिल्ली समेत कई ठिकानों पर आज आयकर विभाग की रेड हो गयी । इस छापे से यूपी में हड़कंप मचा हुआ है ।अब बारी कुछ नौकरशाहों की है। बताया जा रहा है कि विभाग के पास ऐसे कई दस्तावेज लगे हैं, जिसमें इनके यहां करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी होने की आशंका है। इनकम टैक्स विभाग के एक आला अधिकारी ने बताया कि इनके खिलाफ विभाग पिछले छह महीने से कागज एकत्र कर रहा था। राजनीतिक रसूख होने की वजह से बिना पुख्ता कागजों के सर्वे करना भी ठीक नहीं था। ऐसे में सीधे छापा मारा गया है। गोमती नगर स्थित अमरावती बिल्डर का आलीशान मकान है। घर और कार्यालय दोनों जगह पर यह छापा चल रहा है। इसके अलावा बिल्डर पांडेय ब्रदर्श के घर पर भी छापा चल रहा है।

फोटो: सुमित कुमार

50 से ज्यादा लोग टीम में शामिल

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पांडेय ब्रदर्श और अमरावती बिल्डर को मिलाकर आयकर के करीब 50 से ज्यादा अधिकारी और कर्मचारी इस रेड में शामिल है। यह एक बड़ा छापा माना जा रहा है। पांडेय ब्रदर्श के आवास के अलावा उनके कई कार्यालय पर भी छापा है। बताया जा रहा है कि बहुत से काम दूसरे के नाम से कराया जा रहा था। ऐसे में उन ठिकानों पर भी विभाग ने छापा मारा है, हालांकि अभी उसको सार्वजनिक नहीं किया गया है।

सीहोर में 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरी बच्ची

» तीन साल की मासूम को बचाने की कोशिश जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीहोर। सीहोर में 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसा मुंगावली में मंगलवार दोपहर करीब एक बजे हुआ। बच्ची 29 फीट नीचे फंसी हुई थी। दोपहर दो बजे एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम लोकल पुलिस प्रशासन के साथ रेस्क्यू में जुट गई। उसे निकालने के लिए 10 से ज्यादा जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से 5 फीट दूरी पर समानांतर गड्ढा खोदा जा रहा है।

टीम बुधवार सुबह 11.30 बजे तक बोर के पैरलल 32 फीट ही खुदाई कर सकी और बच्ची खिसककर 50 फीट पर जा पहुंची। एसडीएम अमन मिश्रा ने बताया कि बोर में हुक डालकर निकालने का प्रयास किया गया था, जो सफल नहीं हो सका है। बोर में हल्का पानी रिस रहा है।

जिला पंचायत सीईओ आशीष तिवारी ने बताया कि बच्ची के मूवमेंट नहीं आ रहे हैं। खुदाई में नीचे मिले पत्थर बहुत ही हार्ड हैं। पत्थरों के कारण खुदाई में दिक्कत आ रही है। उन्हें तोड़ने के लिए पोकलेन मशीन के पंजे से बड़ी ड्रिल मशीन को बांधा हुआ है। उसी की मदद से पत्थर को तोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि रेस्क्यू में तेजी नहीं आ पा रही है।

मौत की होर्डिंग: नगर निगम अधिकारी ही लगा रहे पलीता

टैक्स चोरी कराकर अपनी जेबें भर रहे हैं अफसर-कर्मचारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहीदपथ के इकाना स्टेडियम के पास होर्डिंग गिरने से मां-बेटी के साथ हुए दर्दनाक हादसे के बाद नगर निगम नींद से जागा है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने सारे होर्डिंगो को जांच करवाने की बात कही।

पर जब इन होर्डिंगों के मामले में 4 पीएम ने जानकारी हासिल की तो चौंकाने वाली जानकारी हासिल हुई। जिस ओरिजिंस कंपनी को होर्डिंग व यूनीपोल लगाने को काम दिया गया है उसके पास नगर निगम को 20 लाख से ज्यादा बकाया बाकी है। तह में जाने पर पता चला कि लखनऊ नगर निगम के खजाने को उसी के अफसर चपत लगा रहे हैं।

20 लाख बकाया ओरिजिन्स कंपनी पर

बर्लिंगटन चौराहे पर लगी यूनीपोल होर्डिंग क्या ये मजबूत है शहर में ऐसे लोहे के यूनिपोल जगह जगह देखने को मिल जाएंगे, जबकि पायनियर की बिल्डिंग पर लगी होर्डिंग हादसे को दे रही है दावत।

नगर आयुक्त को गुमराह करते हैं उन्हीं के अफसर

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी की फौज जानबूझकर सर्वे में लापरवाही बरत रही है, नगर निगम को आय भवनों से कर, होटल-रेस्टोरेंट, गेस्ट हाउस व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर लगने वाले लाइसेंस शुल्क, रोड कटिंग, अवस्थापना शुल्क व विज्ञापन पटों के जरिए होती है। सूत्रों की माने तो अशोक सिंह के कार्यकाल में करोड़ों की हेराफेरी की गई है। सही जांच हो तो सिर्फ शहर भर में विज्ञापन यानि होर्डिंग्स, यूनीपोल व अन्य माध्यमों में जमकर खेल हो रहा है। टैक्स के मामले में पहले मनमाने ढंग से भवन स्वामियों पर टैक्स थोपते और बाद में संशोधन के नाम पर अपनी स्वार्थ सिद्धि कर राजस्व की हानि करते हैं। यह खेल कई बार पकड़ में आ चुका है।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर बरसों से जमे हैं अशोक सिंह

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के पद पर तैनात अशोक सिंह 23 साल की नौकरी में साढ़े पांच साल छोड़ लखनऊ नगर निगम में डटे हैं। भवन स्वामियों पर कर के जरिए होने वाली वास्तविक आय कुछ हिस्सा ही खजाने में पहुंच रहा है, शेष अफसरों की जेब में जा रहा है। जीआईएस सर्वे में लापरवाही उजागर होने के बाद अशोक सिंह से शासन स्तर पर स्पष्टीकरण मांगा जा चुका है। इसमें लम्बे अर्से से हो रही टैक्स चोरी का खुलासा हुआ था।

मानवाधिकार ने दर्ज किया जगदीश गाँधी की पत्नी भारती गाँधी के खिलाफ केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीएमएस स्कूल थप्पड़ कांड

लखनऊ। सिटी मोंटेसरी स्कूल समूह के संस्थापक जगदीश गाँधी की पत्नी भारती गाँधी द्वारा बीती 15 मई को सीएमएस की महानगर शाखा के छात्र अरफान हसन खान को गोमती नगर विस्तार शाखा में कई बार थप्पड़ मारने और पुलिस के नाम पर धमकाने के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बीते कल भारती गाँधी के खिलाफ केस नंबर 12662/24/48/2023 दर्ज कर लिया है।

बेटे को लाशों के नीचे से निकाला, बच गई जान

» बालासोर रेल हादसा : एक पिता ने सुनाई दर्द की दास्तां

» विश्वजीत की कई हड्डियों में चोट लगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। ओडिशा ट्रेन हादसे में अब तक 280 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। कई लोग अब भी अपनों की तलाश कर रहे हैं। हावड़ा जिले में रहने वाले हेलाराम मलिक के 253 किलोमीटर सफर करने के बाद ओडिशा के बालासोर जिले पहुंचे और मुर्दाघर में पड़े अपने बेटे को मौत के मुंह से निकालकर नई जिंदगी बख्श दी। मलिक ने अपने 24 साल के बेटे विश्वजीत को बाहानगा हाई स्कूल में बने अस्थायी मुर्दाघर से निकाला और बालासोर अस्पताल ले गए, इसके बाद वह उसे कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल ले आए।

फाइल फोटो

विश्वजीत की कई हड्डियों में चोट लगी थी और यहां एसएसकेएम अस्पताल के ट्रॉमा केयर सेंटर में उसकी दो सर्जरी की गई। हावड़ा में किराना की दुकान चलाने वाले हेलाराम ने कहा, मैंने टीवी पर खबर देखी, तो मुझे लगा कि विश्वजीत को फोन करके पूछना चाहिए कि वह सही है या नहीं, शुरुआत में तो उसने फोन नहीं उठाया, लेकिन जब उठाया तो, मुझे दूसरी ओर से मुरझाई हुई-सी आवाज सुनाई दी। दुर्घटना वाली रात (दो जून) को ही हेलाराम और उनके बहनोई दीपक दास एक एम्बुलेंस में बालासोर के लिए रवाना हो गए, हेलाराम ने कहा,कि हम उसका पता नहीं लगा पाए, क्योंकि उसके मोबाइल फोन पर की जा रहीं कॉल का कोई जवाब नहीं मिल रहा था, हम कई अस्पताल गए, लेकिन विश्वजीत का कोई पता नहीं चल पाया। इसके बाद हम बाहानगा हाईस्कूल में बने अस्थायी मुर्दाघर पहुंचे, लेकिन शुरुआत में हमें उसमें जाने नहीं दिया गया। देखते ही देखते कुछ लोगों में कहासुनी हो गई और फिर हंगामा खड़ा हो गया। अचानक मुझे एक हाथ दिखा और मुझे पता था कि यह मेरे बेटे का हाथ है, वह जिंदा था।

हेलाराम बिना वक्त गंवाए अपने लगभग बेसुध बेटे को बालासोर अस्पताल ले गए, जहां उसे कुछ इंजेक्शन लगाने के बाद कटक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।